बेशक मेरे हाथों मूतह की जंग में नौ तलवारें टूटी हैं, मेरे हाथ में केवल एक यमनी तलवार रह गई थी

अबू सुलैमान खालिद बिन वलीद (रज़ियल्लाहु अनहु) कहते हैं: बेशक मेरे हाथों मूतह की जंग में नौ तलवारें टूटी हैं। मेरे हाथ में केवल एक यमनी तलवार रह गई थी।
[सह़ीह़] [इसे बुख़ारी ने रिवायत किया है।]

http://sunnah.global/hadeeth/hi/show/8407